मात्रिक छंदों का विकास

(मघ्यकालीन हिन्दी-काच्य में प्रयुक्त मात्रिक छंदों का विश्लेषणात्मक तथा ऐतिहासिक अध्ययन)

> डॉ॰ शिवनन्दन प्रसाद साहित्यरत्न, एम्॰ ए॰, डॉ॰ ल्टि॰



बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद् पटना